



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 14]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 30, 2012/माघ 10, 1933

No. 14]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 30, 2012/MAGHA 10, 1933

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुख्य, 30 जनवरी, 2012

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2012

सं एल.ए.डी.-एन आर.ओ./जी.एन./2011-12/34/2499.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2012 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 में—
 - (i) विनियम 4 में, उप-विनियम (2) के पश्चात्, नया उप-विनियम (3) अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(3) वारंट विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यु) या साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यु) के साथ निम्नलिखित के अध्यधीन निर्गमित किये जा सकेंगे :

(क) ऐसे वारंटों की अवधि सार्वजनिक/साधिकार निर्गम में आबंटन की उनकी तारीख से बारह मास से अधिक की नहीं होगी ;
 (ख) एक से अनधिक वारंट एक विनिर्दिष्ट प्रतिशूलि से संलग्न होगा ।"

(ii) विनियम 8 में, उप-विनियम (1) में, खंड (क) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-
 "(क) प्रमाणपत्र, यह पुष्टि करते हुए कि करार निर्गमकर्ता तथा अग्रणी मर्चेंट बैंककारों के बीच अनुसूची II में में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट के अनुसार किया गया है ।"

(iii) विनियम 8 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ख) का लोप हो जायेगा ;

(iv) विनियम 13 में, उप-विनियम (6) का लोप हो जायेगा ;

(v) विनियम 71 में, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
 "स्पष्टीकरण : जहाँ सुसंगत तारीख सप्ताह के अंतिम दिन / अवकाश के दिन आती हो, तो वहाँ सप्ताह के अंतिम दिन / अवकाश के दिन से पूर्ववर्ती दिन को सुसंगत तारीख गिना जायेगा ।"

(vi) विनियम 76 में, शब्द "छह मास", जहाँ कहीं भी वे दिये हुए हों, शब्दों "छब्बीस सप्ताह" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;

(vii) विनियम 84 में, उप-विनियम (5) का लोप हो जायेगा ;

(viii) अध्याय VIII के पश्चात्, निम्नलिखित अध्याय VIII-क अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

**"अध्याय VIII-क
संस्थागत नियोजन कार्यक्रम**

लागू होना

91क. (1) इस अध्याय के उपबंध प्रतिशूलि संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2)(ख) तथा 19क के निबंधनों के अनुसार न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की प्राप्ति

के प्रयोजनार्थ सूचीबद्ध निर्गमकर्ता में नये शेयरों के निर्गमन और / या शेयरों के विक्रय के लिए प्रस्ताव के प्रति लागू होंगे ।

(2) जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाये, इन विनियमों के कोई भी उपबंध, निम्नलिखित के सिवाय, संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के प्रति लागू नहीं होंगे :

- (क) विनियम 2, 5, 12, 18, 19, 47, 48, 51, 59, 60, 61, 64, 65, 66 तथा 68 ;
- (ख) विनियम 4 के उप-विनियम (2) का खंड (क) तथा (ख) ;
- (ग) विनियम 7 का खंड (ख) ;

परिभाषाएँ

91ख. इस अध्याय के प्रयोजन के लिए .

- (क) "पात्र प्रतिभूतियाँ" (या "पात्र प्रतिभूतियों") से स्टॉक एक्सचेज (एक्सचेजों) में सूचीबद्ध तथा व्यापारित एक ही वर्ग के इकिवटी शेयर अभिप्रेत होंगे ;
- (ख) "पात्र विक्रेता" के अंतर्गत सूचीबद्ध निर्गमकर्ता, सूचीबद्ध निर्गमकर्ता का संप्रवर्तक / संप्रवर्तक समूह सम्मिलित हैं ;
- (ग) "संस्थागत नियोजन कार्यक्रम" से पात्र विक्रेता द्वारा पात्र प्रतिभूतियों का बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव अभिप्रेत है जिसमें ऐसी प्रतिभूतियों का प्रस्ताव, आबंटन इस अध्याय के निबंधनों के अनुसार अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए ही किया जाता है ।

संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के लिए शर्तें

91ग. (1) संस्थागत नियोजन कार्यक्रम केवल तभी किया जा सकेगा जब संस्थागत नियोजन कार्यक्रम को अनुमोदित करने वाला विशेष सकल्प कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 81(1क) के निबंधनों के अनुसार निर्गमकर्ता के शेयरधारकों द्वारा पारित कर दिया गया हो ।

(2) कोई भी अंशतः समादर्त प्रतिभूतियाँ प्रस्तावित नहीं की जायेंगी ।

(3) निर्गमकर्ता स्टॉक एक्सचेज (एक्सचेजों) से सैद्धांतिक अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा ।

मर्चेट बैंककार की नियुक्ति

91घ. संस्थागत नियोजन कार्यक्रम का प्रबंध बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत मर्चेट बैंककार (बैंककारों) द्वारा देखा जायेगा जो सम्यक् तत्परता बरतेंगे ।

प्रस्ताव दस्तावेज

91ड. (1) संस्थागत नियोजन कार्यक्रम प्रस्ताव दस्तावेज के आधार पर किया जायेगा जिसमें समस्त महत्वपूर्ण जानकारी अंतर्विष्ट होगी, जिसमें अनुसूची XVIII में विनिर्दिष्ट जानकारी सम्मिलित है ।

(2) निर्गमकर्ता, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करते समय साथ-साथ, उसकी एक प्रति बोर्ड के पास और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास अग्रणी मर्चेंट बैंककार के माध्यम से दाखिल करेगा।

(3) निर्गमकर्ता, बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज की सॉफ्ट प्रति (कॉपी) दाखिल करेगा, जैसा अनुसूची V में विनिर्दिष्ट है, अनुसूची IV में यथा विनिर्दिष्ट फीस के साथ।

(4) प्रस्ताव दस्तावेज संबद्ध स्टॉक एक्सचेंज के तथा निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर यह स्पष्ट रूप से कथन करते हुए रखा जायेगा कि यह संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के संबंध में है और यह कि प्रस्ताव केवल अर्हित संस्थागत क्रेताओं को ही किया जा रहा है।

(5) मर्चेंट बैंककार बोर्ड को एक सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र अनुसूची VI के प्ररूप के अनुसार प्रस्तुत करेगा, यह कथन करते हुए कि पात्र प्रतिभूतियाँ संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के अधीन निर्गमित की जा रही हैं और यह कि निर्गमकर्ता इस अध्याय की अपेक्षाओं का पालन करता है।

कीमत-निर्धारण और आबंटन

91च. (1) पात्र विक्रेता संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के खुलने से कम से कम एक दिन पूर्व निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा करेगा।

(2) पात्र विक्रेता के पास निम्नलिखित पद्धतियों में से किसी एक पद्धति के अनुसार आबंटन का विकल्प होगा -

- (क) आनुपातिक आधार;
- (ख) कीमत प्राथमिकता आधार; या
- (ग) प्रस्ताव दस्तावेज में यथा उल्लिखित मानदंड।

(3) चुनी गयी पद्धति को प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जायेगा।

(4) स्टॉक एक्सचेंज द्वारा अंतिम आबंटन से पहले आबंटन पर निगरानी रखी जायेगी।

निर्बंधन

91छ. (1) संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह जो अपनी पात्र प्रतिभूतियों का प्रस्ताव कर रहे हैं द्वारा प्रस्ताव के पूर्व बारह सप्ताह की अवधि में कंपनी की पात्र प्रतिभूतियों का क्रय और / या विक्रय नहीं किया जाना चाहिये और उन्हें प्रस्ताव के पश्चात् बारह सप्ताह की अवधि में कंपनी की पात्र प्रतिभूतियों का क्रय और / या विक्रय न करने का वचन देना चाहिए।

(2) संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के अधीन आबंटन निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन किया जायेगा :

(क) पात्र प्रतिभूतियों का न्यूनतम पच्चीस प्रतिशत पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फँड्स) तथा बीमा कंपनियों को आबंटित किया जायेगा।

परंतु यह कि यदि पारस्परिक निधियाँ तथा बीमा कंपनियाँ उक्त न्यूनतम प्रतिशत या उसके किसी भाग में अभिदान नहीं करती हैं, तो ऐसे न्यूनतम भाग या उसके हिस्से का आबंटन अन्य अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जा सकेगा ;

(ख) कोई भी आबंटन, या तो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी अर्हित संस्थागत क्रेता को नहीं किया जायेगा यदि वह निर्गमकर्ता का संप्रवर्तक या उसके संप्रवर्तक / संप्रवर्तक समूह से संबंधित है :

परंतु यह कि अर्हित संस्थागत क्रेता जो निर्गमकर्ता मे कोई शेयर धारण नहीं करता है और जिसने उधारदाता की हैसियत में उक्त अधिकार अर्जित कर लिये हों, को संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्ति नहीं समझा जायेगा ।

(3) निर्गमकर्ता केवल एसबीए सुविधा का प्रयोग करके डाली गयी बोलियो को ही स्वीकार करेगा ।

(4) संस्थागत नियोजन कार्यक्रम में आवेदकों द्वारा डाली गयी बोलियो को कम करते हुए सशोधित नहीं किया जायेगा या वापस नहीं लिया जायेगा ।

स्पष्टीकरण: उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए, अर्हित संस्थागत क्रेता जिसके पास निम्नलिखित से कोई अधिकार हैं को निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्ति समझा जायेगा :-

(क) संप्रवर्तकों या संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्तियों के साथ किये गये शेयरधारक करार या मतदान करार के अधीन अधिकार ;

(ख) वीटो अधिकार ; या

(ग) निर्गमकर्ता के बोर्ड मे किसी नामनिर्देशिती निदेशक को नियुक्त करने का अधिकार ।

आबंटितियों की न्यूनतम संख्या

91ज. (1) संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के अधीन किये गये पात्र प्रतिभूतियों के प्रत्येक प्रस्ताव के लिए आबंटितियों की न्यूनतम संख्या दस से कम नहीं होगी :

परंतु यह कि किसी भी एकल आबंटिती को निर्गम के आकार के पच्चीस प्रतिशत से अधिक आबंटित नहीं किया जायेगा ।

(2) एक ही समूह से संबंधित अर्हित संस्थागत क्रेता या जो एक ही नियंत्रण के अंधीन हैं, को एकल आबंटिती समझा जायेगा ।

स्पष्टीकरण: उप-विनियम (2) के प्रयोजन के लिए, एक ही समूह से संबंधित अर्हित संस्थागत क्रेताओं का अर्थ वही होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 372 की उप-धारा (11) से प्राप्त है :

प्रस्ताव के आकार पर निर्बंधन

91-झा. (1) पात्र विक्रेता द्वारा लाये गये संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के कुल सभी भागों के परिणामस्वरूप सार्वजनिक शेयरधारिता में दस प्रतिशत से अधिक तक की या ऐसे कमतर प्रतिशत तक की बढ़ोतरी नहीं होगी जो न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता तक पहुँचने के लिए अपेक्षित है।

(2) जहाँ निर्गम अति-अभिदत्त हुआ हो, तो वहाँ प्रस्ताव के आकार का दस प्रतिशत से अनधिक का आबंटन पात्र विक्रेता द्वारा किया जायेगा।

अभिदान की अवधि और मांग को प्रदर्शित करना

91ज. (1) निर्गम न्यूनतम एक दिन या अधिकतम दो दिनों के लिए खुला रखा जायेगा।
 (2) संकलित मांग सूची स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा कीमत को प्रकट किये बिना प्रदर्शित की जायेगी।

प्रस्ताव वापस लेना

91ट. पात्र विक्रेता के पास प्रस्ताव को वापस लेने का अधिकार होगा यदि यह पूर्णतः अभिदत्त न हुआ हो।

पात्र प्रतिभूतियों की अंतरणीयता

91ठ. संस्थागत नियोजन कार्यक्रम के अधीन आबंटित पात्र प्रतिभूतियों का विक्रय आबंटिती द्वारा आबंटन की तारीख से एक वर्ष की कालावधि हेतु नहीं किया जायेगा, सिवाय मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में।"

- (ix) अध्याय Xख में, निम्नलिखित शीर्षक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :- "लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का निर्गम"
- (x) अनुसूची IV में, संदर्भ शीर्षक में, शब्द, संख्याएँ तथा प्रतीक "और 11(4)", प्रतीकों, संख्याओं तथा शब्द ", 11(4) तथा 91ड(3)" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
- (xi) अनुसूची V में, संदर्भ शीर्षक में, शब्द, संख्या तथा प्रतीक "और 101(4)", प्रतीक, शब्द तथा संख्या ", 101(4) तथा 91ड(3)" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
- (xii) अनुसूची VI में, प्ररूप क में, संदर्भ शीर्षक में, शब्द, संख्या तथा प्रतीक "और 106ण(2)", प्रतीक, शब्द तथा संख्या ", 106ण(2) तथा 91ड(5)" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;

(xiii) अनुसूची VIII में,

(1) भाग क मे, पैरा 2 में -

(I) मद VII में, उप-मद क मे, खंड (5) के पश्चात्, निम्नलिखित नया खंड (6) अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(6) यथास्थिति प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज में पूरे प्रकटीकरण, सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के साथ निर्गमित वारंटों के लिए किये जायेंगे, उन उद्देश्यों के संबंध में जिनके प्रति वारंटों के संपरिवर्तनों से मिलने वाली निधियाँ उपयोग किये जाने हेतु प्रस्तावित हैं। ऐसे मामलों में, निर्गम के उद्देश्यों से सर्वधित इस भाग के उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, लागू होगे।"

(II) मद VIII में, उप-मद च मे, खंड (2) के पश्चात्, निम्नलिखित नया खंड (2क) अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(2क) जहाँ संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान हेतु अवरुद्धता (लॉक-इन) के लिए शेयरों का प्रस्ताव प्रधान शेयरधारकों द्वारा यथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकूट जोखिम पूँजी निधियों या विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) द्वारा किया जाता है, :

- (क) निधि प्रबंधक के ब्यौरे ;
- (ख) उस निधि के सामान्य ब्यौरे जो निर्गमकर्ता कंपनी में विनिधानकर्ता है ,
- (ग) ब्यौरे यथा निधि में विनिधानकर्ताओं की कुल संख्या, प्रवर्ग-वार विनिधानकर्ताओं (संस्थागत, कॉरपोरेट, व्यक्ति, आदि) का वितरण और प्रत्येक विनिधानकर्ता प्रवर्ग द्वारा धारित प्रतिशत-हित ;
- (घ) निधियों द्वारा निधिक कंपनियों के ब्यौरे, अर्थात् :-
- (i) निधिक कंपनियों की कुल संख्या ;
- (ii) ऐसी कंपनियों का वितरण - देश के अनुसार, धारिता (धारण) की अवधि के अनुसार, क्षेत्र के अनुसार ;

(iii) निधि की नियंत्रणाधीन, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, कंपनियों की संख्या ;

(iv) उन कंपनियों की बाबत जहाँ ऐसी निधियों ने संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के भागस्वरूप अवरुद्धता (लॉक-इन) के लिए अपने शेयरों का प्रस्ताव किया हो, :-

- कंपनी का नाम
- प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्धता (लिस्टिंग) की तारीख
- सूचीबद्धता की तारीख को कंपनी में निधि की शेयरधारिता
- उस कंपनी का डीआरएचपी दाखिल किये जाने की तारीख को कंपनी में निधि की शेयरधारिता जो अब सूचीबद्ध होना चाहती हो

(d) निधि के विनिधानों (निवेशों) की औसत धारिता अवधि ;

(e) निधि का क्षेत्र संकेंद्रित / मुख्य विशिष्टीकरण, यदि लागू हो। "

(2) भाग ड में, पैरा 6 के पश्चात्, निम्नलिखित नया पैरा (7) अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(7) यथास्थिति प्रारूप प्रस्ताव पत्र या प्रस्ताव पत्र में पूरे प्रकटीकरण, साधिकार निर्गमों के साथ निर्गमित वारंटों के लिए किये जायेंगे, उन उद्देश्यों के संबंध में जिनके प्रति वारंटों के संपरिवर्तनों से मिलने वाली निधियाँ उपयोग किये जाने हेतु प्रस्तावित हैं। ऐसे मामलों में, निर्गम के उद्देश्यों से संबंधित इस भाग के उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, लागू होंगे। "

(xiv) अनुसूची XI में, भाग क में, पैरा (10) में, खंड (ख) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-

"(ख) एंकर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटन वैवेकिक आधार पर और निम्नलिखित के अध्यय्दीन किया जायेगा, अर्थात् :-

- (i) अधिकतम 2 ऐसे विनिधानकर्ताओं को 10 करोड़ रुपये तक के आबंटन के लिए अनुज्ञा दी जायेगी ।
- (ii) न्यूनतम 2 तथा अधिकतम 15 ऐसे विनिधानकर्ताओं को 10 करोड़ रुपये से अधिक तथा 250 करोड़ रुपये तक के आबंटन के लिए अनुज्ञात किया जायेगा, ऐसे प्रत्येक विनिधानकर्ता के लिए 5 करोड़ रुपये के न्यूनतम आबंटन के अध्यधीन ।
- (iii) न्यूनतम 5 तथा अधिकतम 25 ऐसे विनिधानकर्ताओं को 250 करोड़ रुपये से अधिक के आबंटन के लिए अनुज्ञात किया जायेगा, ऐसे प्रत्येक विनिधानकर्ता के लिए 5 करोड़ रुपये के न्यूनतम आबंटन के अंध्यधीन ।"
- (xv) अनुसूची XVIII में, संदर्भ शीर्षक में, शब्द, संख्या तथा प्रतीक "विनियम 84(1)", शब्द, संख्या तथा प्रतीक "विनियम 84(1) तथा 91ड(1)" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जैड बी/1/असा.]

19

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471 द्वारा, 26 अगस्त 2009 को भारत के राजपत्र मे प्रकाशित हुए थे ।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 तत्पश्चात् :-

- (क) 11 दिसम्बर 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/23/186926, द्वारा
- (ख) 1 जनवरी 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-2010/25/189240, द्वारा
- (ग) 8 जनवरी 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/26/190146, द्वारा

239 GZ /12-3

(घ) 13 अप्रैल 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एल.ए.डी.-एनआरओ/जी.एन./2010-11/03/1104, द्वारा

(इ) 12 नवम्बर 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (चौथा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एल.ए.डी.-एनआरओ/जी.एन./2010-11/19/26456, द्वारा

(च) 29 अप्रैल 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2011, फा. सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2011-12/05/13907, द्वारा

(छ) 23 सितम्बर 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2011, फा. सं. एल.ए.डी.-एनआरओ/जी.एन./2011-12/25/30309, द्वारा

संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 30th January, 2012

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS)

(AMENDMENT) REGULATIONS, 2012

No. LAD-NRO/GN/2011-12/34/2499 —In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, namely:—

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2012.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 —
 - (i) in regulation 4, after sub-regulation (2), a new sub-regulation (3) shall be inserted, namely:—

“(3) Warrants may be issued along with public issue or rights issue of specified securities subject to the following:

(a) the tenure of such warrants shall not exceed twelve months from their date of allotment in the public/rights issue;

(b) not more than one warrant shall be attached to one specified security.”

(ii) in regulation 8, in sub-regulation (1), clause (a) shall be substituted with the following, namely:—

“(a) a certificate, confirming that an agreement has been entered into between the issuer and the lead merchant bankers as per the format specified in Schedule II”

(iii) in regulation 8, in sub-regulation (1), clause (b) shall be omitted,

(iv) in regulation 13, sub-regulation (6) shall be omitted;

(v) in regulation 58, in proviso to sub-regulation (5), the word “issue” shall be substituted with the word “issuer”;

(vi) in regulation 71, the following Explanation shall be inserted, namely:—

“Explanation: Where the relevant date falls on a Weekend/Holiday, the day preceding the Weekend/Holiday will be reckoned to be the relevant date.”

(vii) in regulation 76, the words “six months” wherever appearing shall be substituted with the words “twenty six weeks”;

(viii) in regulation 84, sub-regulation (5) shall be omitted,

(ix) after Chapter VIII, the following new Chapter VIII-A shall be inserted, namely:—

“CHAPTER VIII-A INSTITUTIONAL PLACEMENT PROGRAMME

Applicability.

91A. (1) The provisions of this Chapter shall apply to issuance of fresh shares and or offer for sale of shares in a listed issuer for the purpose of achieving minimum public shareholding in terms of Rule 19(2)(b) and 19A of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957

(2) Unless otherwise specified, no provisions of these regulations shall be applicable to the institutional placement programme except for the following -

- (a) regulations 2, 5, 12, 18, 19, 47, 48, 51, 59, 60, 61, 64, 65, 66 and 68;
- (b) clauses (a) and (b) of sub-regulation (2) of regulation 4;
- (c) clause (b) of regulation 7

Definitions.

91B. For the purpose of this Chapter:

- (a) “eligible securities” shall mean equity shares of same class listed and traded in the stock exchange(s);
- (b) “eligible seller” include listed issuer, promoter/promoter group of listed issuer,

(c) "institutional placement programme" means a further public offer of eligible securities by an eligible seller, in which the offer, allocation and allotment of such securities is made only to qualified institutional buyers in terms of this Chapter.

Conditions for institutional placement programme.

91C. (1) An institutional placement programme may be made only after a special resolution approving the institutional placement programme has been passed by the shareholders of the issuer in terms of section 81(1A) of the Companies Act, 1956.

(2) No partly paid-up securities shall be offered.

(3) The issuer shall obtain an in-principle approval from the stock exchange(s).

Appointment of merchant banker.

91D. An institutional placement programme shall be managed by merchant banker(s) registered with the Board who shall exercise due diligence.

Offer Document.

91E. (1) The institutional placement programme shall be made on the basis of the offer document which shall contain all material information, including those specified in **Schedule XVIII**.

(2) The issuer shall, simultaneously while registering the offer document with the Registrar of Companies, file a copy thereof with the Board and with the stock exchange(s) through the lead merchant banker.

(3) The issuer shall file the soft copy of the offer document with the Board as specified in **Schedule V**, along with the fee as specified in **Schedule IV**.

(4) The offer document shall also be placed on the website of the concerned stock exchange and of the issuer clearly stating that it is in connection with institutional placement programme and that the offer is being made only to the qualified institutional buyers.

(5) The merchant banker shall submit to the Board a due diligence certificate as per Form A of **Schedule VI**, stating that the eligible securities are being issued under institutional placement programme and that the issuer complies with requirements of this Chapter.

Pricing and allocation/allotment.

91F. (1) The eligible seller shall announce a floor price or price band at least one day prior to the opening of institutional placement programme.

(2) The eligible seller shall have the option to make allocation/allotment as per any of the following methods –

- (a) proportionate basis;
- (b) price priority basis; or
- (c) criteria as mentioned in the offer document.

(3) The method chosen shall be disclosed in the offer document.

(4) Allocation/allotment shall be overseen by stock exchange before final allotment.

Restrictions.

91G. (1) The promoter or promoter group who are offering their eligible securities should not have purchased and/ or sold the eligible securities of the company in the twelve weeks period prior to the offer and they should undertake not to purchase and / or sell eligible securities of the company in the twelve weeks period after the offer.

(2) Allocation/allotment under the institutional placement programme shall be made subject to the following conditions:

(a) Minimum of twenty five per cent. of eligible securities shall be allotted to mutual funds and insurance companies;

Provided that if the mutual funds and insurance companies do not subscribe to said minimum percentage or any part thereof, such minimum portion or part thereof may be allotted to other qualified institutional buyers;

(b) No allocation/allotment shall be made, either directly or indirectly, to any qualified institutional buyer who is a promoter or any person related to promoters of the issuer:

Provided that a qualified institutional buyer who does not hold any shares in the issuer and who has acquired the rights in the capacity of a lender shall not be deemed to be a person related to promoters

(3) The issuer shall accept bids using ASBA facility only

(4) The bids made by the applicants in institutional placement programme shall not be revised downwards or withdrawn

Explanation: For the purpose of clause (b) of sub-regulation (2), a qualified institutional buyer who has any of the following rights shall be deemed to be a person related to the promoters of the issuer:-

(a) rights under a shareholders' agreement or voting agreement entered into with promoters or persons related to the promoters,

(b) veto rights; or

(c) right to appoint any nominee director on the board of the issuer.

Minimum number of allottees.

91H. (1) The minimum number of allottees for each offer of eligible securities made under institutional placement programme shall not be less than ten

Provided that no single allottee shall be allotted more than twenty five per cent. of the offer size.

(2) The qualified institutional buyers belonging to the same group or who are under same control shall be deemed to be a single allottee.

299 GI/12-4

Explanation: For the purpose of sub-regulation (2), the expression “qualified institutional buyers belonging to the same group” shall have the same meaning as derived from sub-section (11) of section 372 of the Companies Act, 1956;

Restrictions on size of the offer.

91-I. (1) The aggregate of all the tranches of institutional placement programme made by the eligible seller shall not result in increase in public shareholding by more than ten per cent. or such lesser per cent. as is required to reach minimum public shareholding.
(2) Where the issue has been oversubscribed, an allotment of not more than ten per cent. of the offer size shall be made by the eligible seller.

Period of Subscription and display of demand.

91J. (1) The issue shall be kept open for a minimum of one day or maximum of two days.
(2) The aggregate demand schedule shall be displayed by stock exchange(s) without disclosing the price.

Withdrawal of offer.

91K. The eligible seller shall have the right to withdraw the offer in case it is not fully subscribed.

Transferability of eligible securities.

91L. The eligible securities allotted under institutional placement programme shall not be sold by the allottee for a period of one year from the date of allocation/allotment, except on a recognised stock exchange.”

(x) In Chapter XB, the following heading shall be inserted, namely:—

“ISSUE OF SPECIFIED SECURITIES BY SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES”

(xi) in Schedule IV, in the reference title, the word, numbers and symbol “and 11(4)” shall be substituted with the symbols, numbers and word “, 11(4) and 91E(3)”;

(xii) in Schedule V, in the reference title, the word, number and symbol “and 101(4)” shall be substituted with the symbol, word and number “, 101(4) and 91E(3)”;

(xiii) in Schedule VI, in Form A, in the reference title, the word, number and symbol “and 106O(2)” shall be substituted with the symbol, word and number “, 106O(2) and 91E(5)”;

(xiv) in Schedule VIII,
 (1) in Part A, in para 2:-

(I) in item VII, in sub-item A, after clause (5), the following new clause
 (6) shall be inserted, namely:-

“(6) Full disclosures in the draft offer document or offer document as the case may be, shall be made for warrants issued along with public issue or rights issue, regarding the objects towards which the funds from conversions of warrants are proposed to be used. In such cases, the provisions of this Part dealing with Objects of the Issue shall apply, mutatis mutandis”

(II) in item VIII, in sub-item F, after clause (2), the following new clause
 (2A) shall be inserted, namely:-

“(2A) Where the shares for lock-in towards minimum promoters contribution is offered by principal shareholders such as Venture Capital Funds or Foreign Venture Capital Investors registered with SEBI:

- (a) Details of Fund Manager;
- (b) Generic details of the Fund which is the investor in the issuer company;
- (c) Details such as total number of investors in the Fund, distribution of investors category - wise (institutional, corporate, individual etc.) and percentage stake held by each investor category;
- (d) Details of companies funded by the Funds, namely:-
 - (i) Total number of companies funded;
 - (ii) Distribution of such companies- country wise, holding period wise, sector wise;
 - (iii) Number of companies under the control of the Fund, directly or indirectly;
 - (iv) In respect of companies where such Funds have offered their shares for lock-in as part of minimum promoter's contribution -
 - Name of the company
 - Date of listing on each stock exchange
 - Fund's shareholding in the company as on the date of listing
 - Fund's shareholding in the company as on the date of filing of the DRHP of the company that now seeks to get listed
 - (e) Average holding period of the Fund's investments;
 - (f) Sector focus/core specialization of the Fund, if applicable.”

299 GT/12-5

(2) in Part E, after para 6, the following new para (7) shall be inserted, namely:—

“(7) Full disclosures in the draft letter of offer or letter of offer as the case may be shall be made for warrants issued along with rights issues, regarding the objects towards which the funds from conversions of warrants are proposed to be used. In such cases, the provisions of this Part dealing with Objects of the Issue shall apply, mutatis mutandis.”

(xv) in Schedule XI, in Part A, in para (10), clause (b) shall be substituted with the following, namely:—

“(b) Allocation to Anchor Investors shall be on a discretionary basis and subject to the following:—

- (i) Maximum of 2 such investors shall be permitted for allocation upto Rs. 10 crore;
- (ii) Minimum of 2 and maximum of 15 such investors shall be permitted for allocation above Rs. 10 crore and upto Rs. 250 crore, subject to minimum allotment of Rs. 5 crore per such investor;
- (iii) Minimum of 5 and maximum of 25 such investors shall be permitted for allocation above Rs. 250 crore, subject to minimum allotment of Rs. 5 crore per such investor.”

(xvi) in Schedule XVIII, in reference title, the word, number and symbol “regulation 84(1)” shall be substituted with the word, number and symbol “regulations 84(1) and 91E(1)”. 2

U. K. SINHA, Chairman
[ADVT III/4/69-ZB/11/Exty.]

Footnote:

1. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were published in the Gazette of India on 26th August, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.
2. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were subsequently amended on:-
 - (a) 11th December, 2009 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/23/186926.
 - (b) 1st January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2009-2010/25/189240.
 - (c) 8th January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/26/190146
 - (d) 13th April, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Third Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2010-11/03/1104

- (e) 12th November, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2010-11/19/26456.
- (f) 29th April, 2011 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2011 vide F. No. LAD-NRO/GN/2011-12/05/13907.
- (g) 23rd September, 2011 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2011 vide F. No. LAD-NRO/GN/2011-12/25/30309.
